यूटीयू : पढ़ाई के दौरान मिलेगा जाब का मौका

जागरण संवाददाता, देहरादून : गरीब एवं मध्यवर्गीय परिवार के छात्र-छात्राएं इंजीनियरिंग की पढ़ाई के साथ-साथ कालेज फीस और पौकेट मनी का प्रबंध खुद ही कर सकते हैं। वीर माधो सिंह भंडारी उत्तराखंड प्रौद्योगिकी विवि (यूटीयू) यह मौका सभी छात्र-छात्राओं को दे रहा है।

यूटीयू से संबद्ध संस्थानों और विवि में पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं को निर्धारित कक्षाओं के बाद पार्ट टाइम कार्य की व्यवस्था की जा रही है। यूटीयू अर्न व्हाइल लर्न योजना के तहत इसको प्रारंभ करने जा रहा है। इस योजना का अनुमोदन यूटीयू की कार्य परिषद में पहले ही किया जा चुका है। विवि के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने कहा कि विवि के पूर्व छात्र जो यूटीयू एल्युमिनी एसोसिएशन के सदस्य होंगे उन्हीं में से विवि की ओर से निर्धारित मानकों के अनुरूप छात्रों की स्वेच्छा से काउंसिलर नामित होंगे, जो अध्ययनरत छात्रों के लिए काउंसिलिंग कर उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में योजना के उद्देश्यों के अनुरूप अपना कार्य करने को प्रेरित करेंगे।

कुलपति ने बताया कि छात्र योजना के अंतर्गत साफ्टवेयर डेवलापिंग के लिए ढाई सौ रुपये प्रतिघंटा व एक दिन में अधिकतम तीन घंटे और प्रत्येक महीने में अधिकतम 12 हजार कैपिंग लिमिट रखी गई है। शोधार्थियों के लिए पांच रुपये प्रतिघंटा और कैपिंग लिमिट 12 हजार रुपये व अन्य कार्य के लिए एक सौ रुपये प्रतिघंटे व एक महीने में छह हजार रुपये निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि विवि और विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी संस्थानों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को इस योजना का लाभ उठाना चाहिए। हालांकि, अकादमिक गतिविधियां प्रभावित न हों, छात्र-छात्राओं को इसका भी ध्यान रखना होगा।

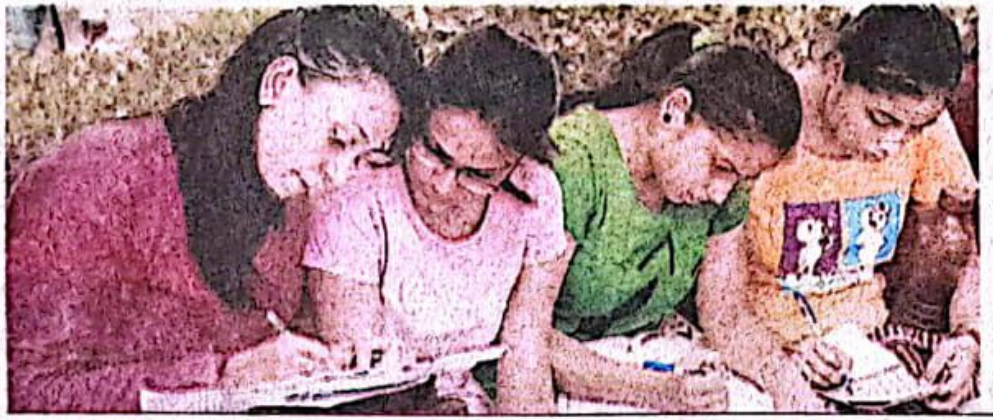

- यूटीयू अर्न व्हाइल लर्न योजना के तहत इसको प्रारंभ करने जा रहा है
- योजना का अनुमोदन यूटीयू की कार्य परिषद में पहले ही किया जा चुका है
- गरीब परिवार के छात्र पढ़ाई के साथ फीस का निकाल सकते हैं खर्चा

विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं यहां कर सकते हैं पार्ट टाइम जाब

लाइब्रेरी में कैटालागिंग, शेल्विंग व्यवस्था, डिसप्ले आफ बुक्स, पुस्तकालय में किताबें देना और प्राप्त करना, कार्यालय सहायक, डाटा हैंडलिंग, टाटा प्रिप्रेशन डाटा फीडिंग, फिलिंग वर्क, परीक्षा अनुभाग संबंधी कार्य, साफ्टवेयर डेवलापिंग, सोशल मीडिया हैंडलिंग, विभिन्न संस्थानों में साफ्टवेयर माड्यूल्स तैयार करना, प्रयोगशाला कार्य के लिए केवल पीएचडी के छात्र-छात्राओं को ही मौका दिया जाएगा।